फर्द अहकाम

...ालय ____________________

____________ बनाम ____________

...मा संख्या / वर्ष : ____________ / 20____

...0	दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से	विशेष विवरण
	26/9/24	पत्रावली पेश हुई। P.O. सा. अन्य ...कार्य में व्यस्त है। अतः पूर्व आदेशानुसार दिनांक 8/11/24 को पेश हो।	
	8.11.24	पत्रावली पेश हुई। बमुलाए फरिकैन उपस्थित। बहस प्रार्थना पत्र 01R7 उभयपक्ष सुनी गयी। दौराने बहस अधिवक्ता प्रतिवादी/प्रार्थी द्वारा प्रार्थना पत्र में वर्णित तथ्यों का दोहरान करते हुए प्रार्थना पत्र अन्तर्गत 01R7 C.P.C स्वीकार करने हेतु निवेदन किया गया। अधिवक्ता वादी द्वारा जवाब में अंकित तथ्यों का दोहरान करते हुए प्रार्थी/प्रतिवादी सं. 1,2,11,12,13 की ओर से प्रस्तुत प्रार्थना पत्र खारिज फरमाने हेतु निवेदन किया गया। बहस अधिवक्ता उभयपक्ष पर मनन किया गया। पत्रावली का अवलोकन किया गया। प्रतिवादी सं. 1,2,11,12,13 को न्यायहित में सुनवाई का अवसर प्रदान किया जाना न्यायोचित प्रतीत होता है। अतः अधिवक्ता प्रार्थी/प्रतिवादी संख्या 1, 2, 11, 12 व 13 की ओर से प्रस्तुत प्रार्थना पत्र अन्तर्गत 01R7 जा० दी० स्वीकार किया जाता है। पत्रावली वास्ते जवाब प्रतिवादी संख्या 1,2,11,12 व 13 दिनांक 29/11/24 को पेश हो। उपखण्ड अधिकारी जोबनेर, जयपुर	
	29.11.24	पत्रावली पेश हुई। वादी एवं उनके अधिवक्ता अनुपस्थित। वादी को आज न्यायालय में पृथक-पृथक समय तीन-तीन बार आवाजें लगवायी	

फर्द अहकाम

न्यायालय

बनाम

मुकदमा संख्या / वर्ष : /20

क्र0स0	दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से
		गयी। बावजूद आवाज लगवाने के उपरांत भी वादी के न्यायालय में हाजिर नहीं आने के कारण पत्रावली अन्तर्गत आदेश-9 नियम-3 के तहत अदम हाजरी व अदम पैरवी में खारिज की जाती है। पत्रावली फैसल शुमार होकर नंबर से कम होकर दाखिल दफ्तर हो। [signature] उपखण्ड अधिकारी जोबनेर, जयपुर